

DECEMBER
THURSDAY

29

S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	F	S	S	M	T	W	F	S
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30

॥४३॥

गरुडगमन नव चरणकमलमिह
 मनासि लसतु मम नित्यम्
 मनासि लसतु मम नित्यम् ॥

मम तापमपाकुरु देव
 मम पापमपाकुरु देव ॥

जलजनयन विधीनमुच्चिहरणमुखं
 विबुद्ध विनुन पदपद्म --- 2

मम तापमपाकुरु देव - - - - - - - - - - - - ॥१॥

भुजगशयन भीव मदन जनक मम
 जननमरण भयहारि --- 2

मम तापमपाकुरु देव - - - - - - - - - - - - ॥२॥

शैवत्यक्रघर दुष्टदेवत्यहर
 सर्वलोक - २०८ - - - 2

मम तापमपाकुरु देव - - - - - - - - - - - - ॥३॥

अगाणिन दुणाण अशरण शरणाद्
 विदलित कुरुरिषु-नाल - - 2

मम तापमपाकुरु देव - - - - - - - - - - - - ॥४॥

भक्तवर्यमेह भूरेकल्पाया
 पाहि भप्त्वार्थ्यम् - - - 2

मम तापमपाकुरु देव - - - - - - - - - - - - ॥५॥